RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.c swarajindi- swarajindi-

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

सांध्यकालीन समाचार पत्र

मूल्य: ` 02

स्वराज इंडिया

कानपुर,सोमवार , 15 सितंबर 2025
वर्ष: 02, अंक: 242, पृष्ठ: 8+4

मरीज की पीड़ा ही मेरी पीड़ा है सरकार हर जरूरतमंद के साथ है-योगी

» Pg12

इनसाइड रामनगरी में धर्मांतरण की साजिश पर गरजा बुलडोज़र » Pg 11

टैरिफ के चक्कर में खुद फंस गए ट्रंप !

» रूस से मिलकर भारत ने दे दिया दोहरा झटका

» रूस से तेल नहीं खरीदने के अमेरिकी दबाव में तो भारत नहीं ही झुका, अब उसके साथ रक्षा सहयोग को और मजबूती देकर उसे दोहरा झटका देने की तैयारी में है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। चीन में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एसटह) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन की मुलाकात के बाद दोनों देशों के रिश्ते और परवान चढ़ते नजर आने लगे हैं। जब भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदने में अमेरिकी दबाव को मानने से इनकार कर दिया और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इसकी सराहना की, तभी संकेत मिलने लगे कि दोनों देशों की दोस्ती अब नए मिसाल पेश करेगी।

अब रुसी एंटी एयर मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस-400 (S-400 air defence systems) और पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट एसयू-57 (Su-57) को लेकर जो खबरें मिल रही हैं, वह सुनकर तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पांव के नीचे से जमीन खिसक सकती है। खासकर तब, जब उन्होंने हाल में भारत को लेकर चिकनी चुपड़ी बातें करने की भी कोशिशें शुरू कर दी हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत, रूस से और ज्यादा संख्या में एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने की बात कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह भारत के लिए बहुत ही काम का साबित हो चुका है और इसकी सराहना भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह भी इसे गेम चेंजर बताकर कर चुके हैं। वह ये भी बता चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान

भारतीय सशस्त्र सेना ने पांच पाकिस्तानी जेट और एक एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एयरक्राफ्ट को भी मार गिराया जो भारत के द्वारा सबसे बड़ा सर्फेस टू एयर हमला है।भारत रूस से और ज्यादा संख्या में एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदना चाहता है, ऐसी खबरें पहले से रही हैं। लेकिन, रूसी न्यूज एजेंसी तास की एक रिपोर्ट के अनुसार इसको लेकर डील अब चर्चा के स्तर पर है। एजेंसी ने रूस के फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री-टेक्निकल कोऑपरेशन के प्रमुख दिमित्री शुगायेव के हवाले से कहा है, इस क्षेत्र में भी सहयोग के विस्तार का अवसर है। इसका मतलब है, नई सप्लाई। अभी तक हम इसको लेकर बातचीत कर रहे हैं। भारत ने रूस से 2018 में 5 एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने के लिए 40,000 करोड़ रुपये का करार किया था। इनमें से तीन पहले ही भारत को मिल चुके हैं और यह अपना जलवा भी दिखा चुके हैं। बाकी दो सिस्टम 2026 और 2027 में पहुंचने की संभावना है।

भारत में एसयू-57 के उत्पादन की तैयारी

इसी दौरान न्यूज एजेंसी एएनआई ने रक्षा सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट दी है कि रूस भारत में अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट एसयू-57 के उत्पादन के लिए फिजिबिलिटी स्टडीज करवा रहा है। आज भारतीय वायुसेना के पास रडार को चकमा देने वाले स्टील्थ फाइटर जेट नहीं हैं। जबकि चीन जैसे ताकतवर पड़ोसी पहले से ही ऐसे जे-20 (J-20) फाइटर जेट उड़ा रहा है और वह जानकारी के मुताबिक छठी पीढ़ी के फाइटर का परीक्षण भी शुरू कर चुका है।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027

की तैयारियों में जुटी बीजेपी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

» बीजेपी पंचायत चुनाव से करेगी फाइनल जंग की शुरुआत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव भले ही दो साल दूर हों, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अभी से जीत की जमीन तैयार करनी शुरू कर दी है। लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने के लक्ष्य को साधने के लिए पार्टी ने पंचायत चुनाव को सेमीफाइनल मानते हुए पूरी ताकत झोंकने का फैसला किया है।

राजधानी लखनऊ के निरालानगर स्थित संघ भवन में हुई पूर्वी क्षेत्र की तीन दिवसीय समन्वय बैठक इसी रणनीति का हिस्सा रही। इसमें सरकार, संगठन और संघ के बीच तालमेल को और मजबूत करने पर गहन चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, सामाजिक समूहों और शिक्षा जगत में बीजेपी की पकड़ बढ़ाने पर भी फोकस किया गया है।ये तीनों नेता संघ और संगठन-सरकार के बीच सेतु का काम करेंगे और जमीनी स्तर पर चुनावी रणनीति को मजबूत बनाएंगे।बैठक में यह भी तय हुआ कि समाज, छात्र और शिक्षकों के बीच पार्टी की पैठ बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। शिक्षण संस्थानों में बेहतर माहौल तैयार करने के लिए बीजेपी और संघ मिलकर काम करेंगे।कुल मिलाकर, पंचायत चुनाव से लेकर विधानसभा 2027 तक, बीजेपी ने अपनी जीत की रोडमैप तैयार कर ली है और अब सरकार, संगठन और संघ के बेहतर तालमेल के साथ चुनावी रणभूमि में उतरने को तैयार है।

बैठक में बीजेपी ने तीन पदाधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां दी हैं–
धर्मपाल सिंह को मुख्यमंत्री स्तर के मामलों का समन्वय
अमरपाल मौर्य को मंत्रियों से जुड़े मामलों का दायित्व
कामेश्वर सिंह को संगठन संबंधी मामलों की जिम्मेदारी

बाढ़ से जूझते गांवों के लिए 'एक उम्मीद' ने जगाई उम्मीद की किरण

» चाय-बिस्किट वितरण के बाद लगाया गया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

» नाव के जरिए घर-घर पहुंचाई जा रही राहत सामग्री और बच्चों के लिए स्टेशनरी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। बिठूर क्षेत्र में बीते कई दिनों से गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण हिंदूपुर, प्रतापपुर हरि और आसपास के गांवों में जनजीवन अस्त-व्यस्त है। लोग अपने घर छोड़कर सड़कों और सुरक्षित ऊंचे स्थानों पर रहने को मजबूर हैं। खेतों में खड़ी फसलें डूब चुकी हैं और घरों में पानी भर जाने से जीवन कठिन हो गया है। इस आपदा की घड़ी में 'एक उम्मीद जनकल्याण सेवा समिति' लगातार पीड़ित परिवारों के बीच राहत कार्यों में जुटा हुआ है।

शुक्रवार की सुबह संगठन के कार्यकर्ताओं ने गांवों में बाढ़ पीड़ितों को चाय-बिस्किट बांटे और फिर ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जरूरतों को देखते हुए एक नि:शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया। इस कैंप में सैकड़ों लोग पहुंचे और उन्होंने डॉक्टरों से परामर्श के साथ दवाइयां भी प्राप्त कीं। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार बारिश और बाढ़ के कारण बच्चों और बुजुर्गों को खांसी, बुखार और संक्रमण की समस्याएं हो रही थीं, ऐसे में यह शिविर उनके लिए बहुत मददगार साबित हुआ।

इसके साथ ही 'एक उम्मीद' समिति पिछले कई दिनों से नावों के माध्यम से बाढ़ प्रभावित परिवारों के घर-घर तक भोजन पहुंचा रही है। बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए स्टेशनरी किट और कॉपियां भी बांटी गईं। वहीं, बुजुर्गों और बीमार लोगों को नाव के जरिए सुरक्षित स्थानों तक ले जाया गया। संगठन का कहना है कि जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, तब तक यह सेवा अभियान जारी रहेगा।

ग्रामीणों ने बताया कि सरकारी स्तर पर मदद पहुंचने में देर हो रही है, लेकिन समाजसेवी संगठन लगातार राहत पहुंचा रहे हैं। 'एक उम्मीद' ने अब तक सैकड़ों परिवारों को भोजन, दवाइयां और राहत सामग्री उपलब्ध कराई है। इस सेवा अभियान में स्थानीय समाजसेवियों की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिल रही है।इस मौके पर मुख्य रूप से पवन चौहान (जिलाध्यक्ष कानपुर ग्रामीण), उमेश भार्गव (कानपुर प्रभारी), आर्यन शर्मा (जिला मीडिया प्रभारी), अरुणा कश्यप (जिला सचिव), कृष्ण कांत (अध्यक्ष रनियां), लता कश्यप (अध्यक्ष कल्याणपुर), मान सिंह राजावत (अध्यक्ष बिठूर), राहुल वर्मा (उपाध्यक्ष कल्याणपुर), सविता कुरील (उपाध्यक्ष रनियां), अंकित कुमार (सचिव कल्याणपुर), मुदित गुप्ता (ग्राम पंचायत अध्यक्ष बचीतपुरवा), राहुल दुबे (जिला कार्यकारिणी सदस्य), वीरेन्द्र पाल (समाजसेवी), तुषार दीक्षित (वार्ड अध्यक्ष पनकी), शुभम बंगाली (सचिव बिठूर) और अतुल सिंह (सदस्य रनियां) सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व स्वयंसेवक मौजूद रहे।ग्रामीणों ने 'एक उम्मीद' के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संगठन ने संकट की घड़ी में उम्मीद की नई रोशनी जगाई है।

छात्रा पर हमला करने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

» तीन साल से कर रहा था परेशान, रास्ता रोककर किया था हमला

» पुलिस ने वीडियो में गिड़गिड़ाते आरोपी को जेल भेजा

कानपुर। किदवईनगर पुलिस ने छात्रा से छेड़छाड़, मारपीट और अपमानजनक हरकत करने वाले आरोपी यश कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी को साकेत नगर स्थित इंटर कालेज के पास से पकड़ा गया। पुलिस की हिरासत में एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें यश गले में तख्ती डालकर गिड़गिड़ाते हुए कहता दिखा "सर माफ कर दो, आगे से हर महिला को अपनी मां-बहन समझूंगा।

जूही कॉलोनी निवासी पीड़िता की मां के मुताबिक, पति के निधन के बाद वह 11वीं में पढ़ने वाली बेटी के साथ किराए के मकान में रहती हैं। आरोप है कि साकेत नगर निवासी यश कुमार उनकी बेटी को बीते तीन वर्षों से लगातार परेशान कर रहा था।

8 सितंबर की शाम जब छात्रा कोचिंग से घर लौट रही थी, तभी यश अपने 8 से 10 साथियों के साथ उसका रास्ता रोककर खड़ा हो गया। उसने छात्रा का हाथ पकड़कर जबरन साथ चलने का दबाव बनाया। विरोध करने पर आरोपी ने छात्रा को एक के बाद एक तीन तमाचे जड़ दिए और उसके चेहरे पर थूक दिया। यही नहीं, छात्रा की सहेली और दो दोस्तों ने जब बचाव की कोशिश की, तो उन्हें भी पीटा गया।पीड़िता की मां की शिकायत पर 10 सितंबर को मामला दर्ज किया गया। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) से गुहार लगाने के बाद पुलिस हरकत में आई। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

छात्रा पर हमला करने वाला मुख्य आरोपी

मानवता

टोल प्लाजा पर मानवता की मिसाल

समय रहते सीपीआर देकर बचाई युवक की जान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।कहते हैं जीवन और मौत के बीच कुछ ही क्षणों का फासला होता है, और यदि उस गोल्डन टाइम में मदद मिल जाए तो यह किसी चमत्कार से कम नहीं होता। ऐसा ही मानवीय उदाहरण बारा टोल प्लाजा पर देखने को मिला, जहां समय पर दी गई सहायता ने एक युवक की जिंदगी बचा ली। कानपुर देहात जिले के डेरापुर क्षेत्र के हिसावन गांव निवासी आशुतोष मिश्रा (उम्र लगभग 30 वर्ष) अपनी पत्नी के साथ बाइक से गुजर रहे थे। तभी अचानक उन्हें हार्ट अटैक आया और चक्कर आने लगे। स्थिति गंभीर होते देख उन्होंने सड़क किनारे बाइक रोक दी। उसी दौरान टोल प्लाजा के शिफ्ट इंचार्ज

रामकुमार उपाध्याय को घटना की जानकारी मिली।

उन्होंने तत्काल मौके पर पहुंचकर बिना देर किए युवक को सीपीआर दिया। कुछ ही क्षणों में आशुतोष को राहत मिली और तुरंत उन्हें अकबरपुर के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया।डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि यह माइनर अटैक था। समय पर उपचार मिल जाने से युवक की जान बच गई, अन्यथा स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी। स्वस्थ होने के बाद आशुतोष और उनकी पत्नी टोल प्लाजा लौटे और वहां मौजूद कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।राहगीरों ने भी टोल प्लाजा कर्मचारियों की इस संवेदनशीलता और त्वरित मदद की सराहना की। मानवता की इस मिसाल ने यह साबित कर दिया कि यदि संकट की घड़ी में हम तुरंत कदम उठाएं तो कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं।

अब शहर में घुसे चोर, युवा रात भर लाठी-डंडे लेकर करते हैं सचेत, सो रही पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। महीने भर पहले आसपास के जिलों में चोरों के समूहों की दस्तक का अलर्ट मिलने के बावजूद कमिश्नरी पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। उसी का खामियाजा है कि अभी तक ग्रामीण क्षेत्रों में मचने वाला चोरों का शोर शहरी इलाकों में भी पहुंच गया है। गुजैनी, बर्रा, गोविंदनगर, हनुमंत विहार इलाकों में भी लोग रतजगा कर अपने घरों की सुरक्षा कर रहे हैं। इतना होने के बावजूद पुलिस अभी तक चोरों तक नहीं पहुंच पाई है।करीब एक माह पूर्व खुफिया, एलआईयू ने इनपुट दिया था कि कानपुर के आसपास के जिलों में चोरों के समूह सक्रिय हैं।

इस पर पुलिस कमिश्नर ने हाईवे और सीमा से सटे इलाकों के थानेदारों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए थे पर पुलिस सोती रही। इसी कारण 15 दिनों से चोरों की चहलकदमी और ड्रोन की असली वजह तक पुलिस नहीं पहुंच सकी है। गांवों से लेकर शहर तक इस समय चोरों का खौफ इस कदर है कि क्षेत्र में रहने वाले नवयुवकों की टोलियां रात में हाथों में लाठी–डंडे, टार्च, सरिया लेकर जागते रहो कहते हुए लोगों को सचेत कर रहे हैं।

हालात इस कदर बिगड़े हुए हैं कि लोगों ने अपने रिश्तेदारों को रात में न आने के लिए सचेत कर दिया है। आलम यह है कि अब रात में दूसरे क्षेत्रों में जाना भी खतरे से खाली नहीं है। अजनबियों को देखकर लोग उन्हें चोर समझकर हमला कर रहे हैं। कई घटनाएं सामने आई हैं जिसमें अजनबियों को पीट–पीटकर बेदम तक कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर लगातार चोरों की नकाबपोश में और मारपीट के बाद मरणासन्न पड़े होने पर फोटो व वीडियो वायरल हो रहे हैं।

हिरासत में लिए गए युवकों ने अपनी पहचान ज्यादातर बिहार, झारखंड समेत अन्य जनपदों की बताई है। पिछले कुछ दिनों से सबसे ज्यादा गुजैनी, बर्रा, गोविंदनगर, हनुमंत विहार, सेनपश्चिम पारा, बिधनू, चकेरी, कल्याणपुर, सचेंडी में लोग परेशान हैं।वहीं ग्रामीण इलाकों में महाराजपुर, नरवल, चौबेपुर, शिवराजपुर, बिल्हौर की लाखों की आबादी रात में जागने पर मजबूर है। कई चोरियां भी हुईं लेकिन खुलासे शून्य हैं। चकेरी के दीपू सिंह, पवन सिंह, रोहित, अवधेश, राम जी, ओम, मयंक, रमेश सिंह, मालती, विमला, सुशीला व पंकज आदि ने बताया कि चोरों के कारण लोग डरे हुए हैं।

क्रिकेट तो बहाना है उद्देश्य पाकिस्तान को मदद पहुंचाना है

एशिया कप में भारत की जीत पर जताई नाराजगी, कहा देश की नाक कट गई

» शहीद शुभम द्विवेदी के पिता संजय द्विवेदी का बड़ा बयान

» प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। दुबई में खेले गए एशिया कप (टी-20) मैच में रविवार को भारत की जीत पर देशभर में जहां जश्न मनाया जा रहा था, वहीं पहलगाम हमले में शहीद हुए सीमेंट कारोबारी शुभम द्विवेदी के पिता संजय द्विवेदी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह कोई खेल नहीं था, बल्कि पाकिस्तान को 500 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद पहुंचाई गई है, जिसका इस्तेमाल आगे आतंकवाद को बढ़ावा देने में किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कल मेरा बेटा गया, आगे किसी और का जाएगा। वास्तव में देश यह मैच जीता नहीं, बल्कि हार गया है। देश का मस्तक शर्म से झुक गया है। संजय द्विवेदी ने साफ कहा कि जिम्मेदारों को यह मैच करवाना ही नहीं चाहिए था और खिलाड़ियों को भी इसमें हिस्सा लेने से इनकार करना चाहिए था।

पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि देश की सरकार और खेल आयोजक उन 26 परिवारों की भावनाओं का सम्मान करने में असफल रहे, जिन्होंने पहलगाम हमले में अपने अपनों को खोया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आम आदमी समझ सकता है कि पाकिस्तान इस रकम का इस्तेमाल आतंकवाद फैलाने में करेगा, तो ऊँचे पदों पर बैठे लोग क्यों नहीं समझ पाए।इस बयान के बाद इलाके में चर्चा तेज हो गई है और लोग सरकार के इस फैसले पर नाराजगी जता रहे हैं।

ग्रेजुएशन डे मेकअप प्रतियोगिता में प्रतिभा का दिखाया जलवा

» कैबिनेट मंत्री राकेश सचान रहे मुख्य अतिथि,रूपाली गुप्ता प्रथम

» अनुष्का गुप्ता द्वितीय, अनिकेत राठौर तृतीय

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। होटल गोल्डन ट्यूलिप में शुक्रवार को ग्रेजुएशन डे मेकअप प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की संचालिका और प्रसिद्ध मेकअप गुरू प्रीति रंजन ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और मेकअप आर्टिस्ट्री के क्षेत्र में युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ाना है।कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतिभागियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को हुनर निखारने का अवसर देते हैं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में विकास सिंह भोले, जीत प्रताप सिंह, भारती आर्या और आलोक मिश्रा उपस्थित रहे।निर्णायक मंडल में सोनल और कांग्रेस नेत्री करिश्मा ठाकुर शामिल रहीं। जूरी ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की और कहा कि प्रतियोगिता में मौलिकता और रचनात्मकता झलक रही थी।प्रतियोगिता के परिणाम में रूपाली गुप्ता ने प्रथम स्थान हासिल किया, अनुष्का गुप्ता द्वितीय स्थान पर रहीं और अनिकेत राठौर तृतीय स्थान प्राप्त करने में सफल रहे। विजेताओं को मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों द्वारा ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।पूरे आयोजन में प्रतिभागियों और दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा। मंच पर प्रतिभाओं ने अपनी कला से सबका मन मोह लिया। आयोजकों ने भविष्य में भी इसी तरह के कार्यक्रम कराकर नए कलाकारों को अवसर देने का संकल्प लिया।

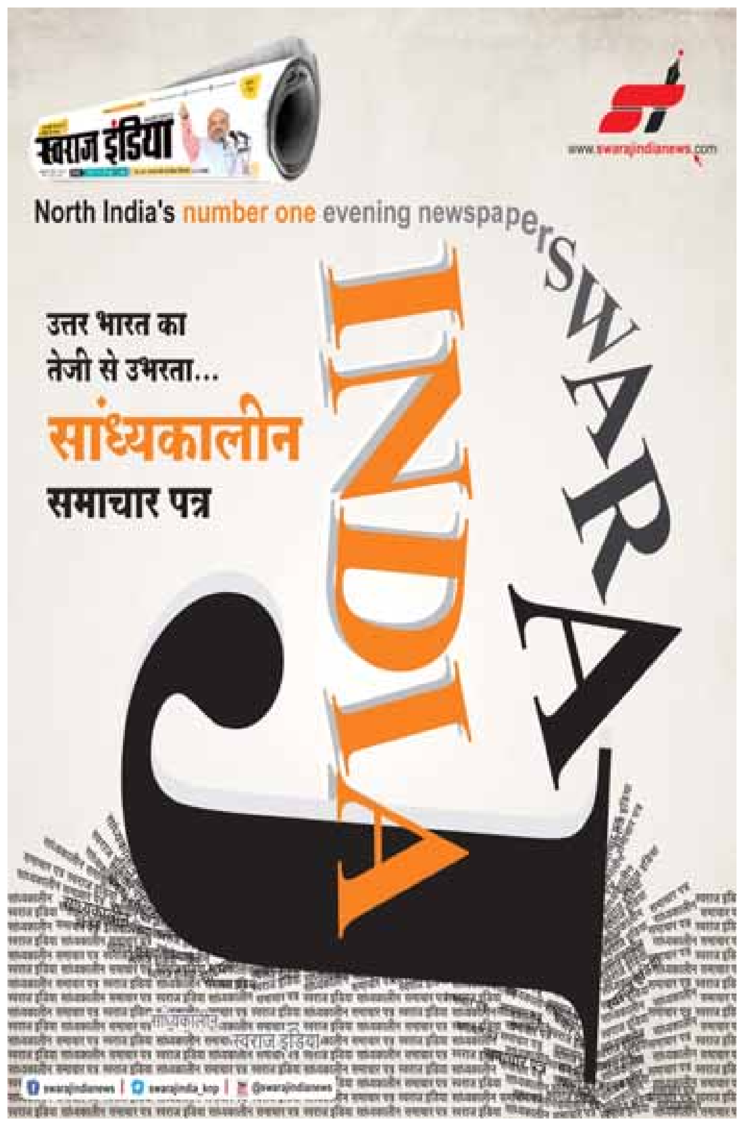

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

पंजाबी ड्राइवरों के खिलाफ अमेरिका में दुराग्रह

यूं तो जब से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में आए हैं विदेशियों, खासकर भारतीयों के खिलाफ अमेरिका में नस्लभेदी नजरिया लगातार अपनाया जा रहा है। पहले आप्रवासी भारतीय कामगारों के खिलाफ कथित अवैध आव्रजन का आरोप लगाकर उन्हें अपमानित करके अमेरिका से निकाला गया। यहां तक कि उनके साथ अमानवीय व्यवहार करके उत्पीड़न किया गया। उन्हें हथकड़ियां तक लगाई गईं। कभी आदर्श लोकतंत्र व उच्च मानवीय मूल्यों का दंभ भरने वाला अमेरिका आज ट्रंप की नस्लवादी नीतियों से अपनी प्रतिष्ठा खो बैठा है।

पिछले दिनों ट्रंप ने आईटी उद्योग व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के शीर्ष पदों पर बैठे भारतीयों को हटाने तक की बात कही थी। तंग नजरिये के राष्ट्रवाद के प्रचार से सत्ता में आए ट्रंप लगातार भारत विरोधी नजरिया अपनाए हुए हैं। अतार्किक टैरिफ उसकी गवाही देते हैं। अब नया मुद्दा अमेरिका को खून-पसीने से सींचने वाले पंजाबी ट्रक ड्राइवरों की रोजी-रोटी से जुड़ गया। परदेस गए करीब डेढ़ लाख ट्रक ड्राइवरों के भविष्य पर सवालिया निशान लग गया है। दरअसल, अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत में पिछले दिनों एक भारतीय ट्रक चालक द्वारा गलत टर्न लेने से तीन अमेरिकी नागरिकों की मौत को बड़ा मुद्दा बना दिया गया है। उसके बाद अमेरिका में ट्रक चलाने वाले विदेशी चालकों को निशाने पर लिया जा रहा है। दलील दी जा रही है कि अमेरिका में लगातार बढ़ते विदेशी ट्रक चालकों की वजह से अमेरिकी नागरिकों का जीवन खतरे में पड़ गया है। जिसके चलते विदेशी ट्रक चालकों के वर्क वीजा और कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस पर रोक लगा दी गई है। जिसके चलते पंजाब से अमेरिका गए करीब डेढ़ लाख पंजाबी ट्रक ड्राइवरों की जीविका पर संकट पैदा हो गया है। दरअसल, दमखम रखने वाले पंजाबी गबरुओं का सपना रहा है कि अमेरिका में भारी-भरकम कमर्शियल वाहन चलाएं। वे भारत में प्रशिक्षण लेकर किसी भी देश का वीजा हासिल करके बाद में अमेरिका चले जाते हैं।

वे महीने में पांच से छह सौ किलोमीटर ट्रक चलाकर पांच-छह लाख तक कमा लेते हैं।नस्लीय नजरिये से ग्रस्त ट्रंप शासन-प्रशासन यह नहीं देख रहा है कि इन ट्रक चालकों ने अमेरिका की समृद्धि में कितना योगदान दिया। अमेरिका के पास इतनी श्रमशक्ति नहीं है कि वह पंजाबी ट्रक चालकों का सहज विकल्प तलाश सके। लेकिन हकीकत को नजरअंदाज करके भारतीय चालकों को निशाना बनाया जा रहा है। इससे पहले ट्रक चालकों को इस बात को लेकर निशाना बनाया गया कि वे धाराप्रवाह अंग्रेजी नहीं बोल सकते। अंग्रेजी की अनिवार्यता के बाद करीब ढाई हजार लाइसेंस निलंबित किए गए। जाहिर, उनके परिवारों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। दलील दी जा रही है कि अमेरिका फर्स्ट की नीति के तहत विदेशी ट्रक चालकों के लिये अंग्रेजी भाषा में दक्षता अनिवार्य है।

कोच के रूप में कसौटी पर गंभीर के प्रयास

पुष्कर जैन

मौजूदा कोच गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट टीम में स्टार-संस्कृति को तोड़ना चाहते हैं, ठीक वैसी कोशिश जो कोच ग्रेग चैपल ने दो दशक पहले अपने कार्यकाल में की थी। इंग्लैंड में एक युवा टीम की शानदार सफलता ने उनके...मौजूदा कोच गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट टीम में स्टार-संस्कृति को तोड़ना चाहते हैं, ठीक वैसी कोशिश जो कोच ग्रेग चैपल ने दो दशक पहले अपने कार्यकाल में की थी। इंग्लैंड में एक युवा टीम की शानदार सफलता ने उनके प्रयोग को यह वैधता प्रदान कर दी। वहीं युवा टीम का होना उनके अनुकूल है।जब मैंने रहस्यमयी भारतीय कोच गौतम गंभीर के बारे में लिखना शुरू किया तो पृष्ठभूमि में ग्रेग चैपल की छवि आन खड़ी हुई। कोई भी दो लोग शैली, व्यक्तित्व, छवि और उपलब्धियों में इतने भिन्न नहीं हो सकते जितने कि ये दोनों, फिर भी इनके व्यक्तित्व मेरे मन में गडमड हो रहे हैं। दोनों में एकमात्र स्पष्ट समानता यह है कि जिस पद पर गौतम आज हैं, उस पर ग्रेग चैपल बतौर भारतीय टीम के कोच रहे।

2004-05 की सितारों जड़ी भारतीय टीम, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़, वीरेंद्र सहवाग, वीवीएस लक्ष्मण, अनिल कुंबले और खुद एक महान बल्लेबाज रहे ग्रेग के भारतीय कोच बनने के दिनों को याद कीजिए। जिस शालीनता और शान के साथ यह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ी करता था, वह उनकी वाक ?पटुता, खेल के तकनीकी ज्ञान के अलावा बातचीत में लोगों को कायल करने के गुण से मेल खाता था।।उनके कोचिंग कार्यकाल की वह उत्साहपूर्ण शुरुआत कोई दो साल बाद एक ऐसी विभाजित टीम के कोच में रूप में समाप्त हुई, जिसके खिलाड़ी असुरक्षित और अपनी उस परछाई तक से सशंकित हो चले थे, जिससे वे कभी प्यार करते थे। टीम को स्टार-कल्चर से मुक्ति दिलाने के इरादे से ग्रेग की आमद हुई थी; लेकिन आखिर में उनकी उपलब्धि थी वेस्ट इंडीज़ में आयोजित 2007 के विश्व कप में एक सम्मान से वंचित, भ्रमित एवं अराजकता भरी टीम, जिसने भारतीय क्रिकेट को बुरी तरह प्रभावित किया।ग्रेग अंत तक अपने इस विश्वास पर अडिग थे कि भारत की समस्या प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि वह स्टार कल्चर है जो नए खिलाड़ियों के विकास में बाधक है और एक ऐसा पदानुक्रम बनाती है जो टीम भावना और सद्भाव के लिए नुकसानदायक है। ग्रेग ने भले ही समस्या की शिनाख्त कर ली हो, लेकिन समाधान के उनके तरीकों में उस संवेदनशीलता और भारतीय मानस की उचित समझ का अभाव रहा। जिन्हें बदलाव से झिझक है, खासकर जब यह अचानक और तेज़ी से हो, उनके लिए उनका यह तरीका विदेशी संस्कृति की उपज था। शायद जिस चीज़ ने उनको हराया।

बायोमेट्रिक वोटर कार्ड में विवादों का हल

गरीबी रेखा के नीचे

शुभम शर्मा

पिछले एक दशक में, बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण (बीवीआर) जैसी तकनीक जटिल चुनावी चुनौतियों और जालसाज़ी का सामना करने के लिए रामबाण साबित हुई है। 'बीवीआर' मतदाता की विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं का विश्लेषण करता है, ताकि उनकी पहचान और मतदान के...

पिछले एक दशक में, बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण (बीवीआर) जैसी तकनीक जटिल चुनावी चुनौतियों और जालसाज़ी का सामना करने के लिए रामबाण साबित हुई है। 'बीवीआर' मतदाता की विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं का विश्लेषण करता है, ताकि उनकी पहचान और मतदान के लिए उनकी पात्रता की पुष्टि की जा सके।

पश्चिमी अफ्रीकी देश गाम्बिया, मैं घूमने नहीं, बच्चियों का जबरन खतना किये जाने पर रिपोर्टिंग के लिए गया था। गाम्बिया मेनलैंड अफ्रीका का सबसे छोटा देश है। इसकी उत्तरी, पूर्वी, और दक्षिणी सीमा सेनेगल से मिलती है। लगभग 28 लाख की आबादी वाले इस देश की एक-तिहाई जनसंख्या अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा 1.25 डॉलर प्रतिदिन से नीचे रहती है। दिलो-दिमाग़ में बैठा हुआ था, कि यह अफ्रीकी देश काफी पिछड़ा हुआ होगा। लेकिन यह भ्रम वहां की पत्रकार फातो कमारा से मिलने के बाद टूट गया। उन्हीं से जानकारी मिली कि गाम्बिया दुनिया का पहला देश है, जहां मतदाताओं के लिए बायोमेट्रिक कार्ड 2009 में इश्यू किया गया था।सितम्बर, 2010 में भारत ने आधार कार्ड जारी किया था, जिसे वोटर कार्ड से भी पहचान के वास्ते जोड़ा जाने लगा। लेकिन यह अनिवार्य नहीं है। चुनाव आयोग ने नागरिकों के लिए अपने आधार नंबर को अपने मतदाता पहचान पत्र (जिसे चुनावी फोटो पहचान पत्र या ईपीआईसी भी कहा जाता है) से जोड़ना स्वैच्छिक बना दिया है। मतदाताओं को अपने कार्ड लिंक करते समय आधार प्रमाणीकरण के लिए अपनी सहमति फॉर्म 6-बी में देना आवश्यक है। एक बार सहमति दे देने के बाद उसे वापस लेने का कोई प्रावधान नहीं है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया है, कि आधार कार्ड होना नागरिकता का प्रमाणीकरण नहीं है। पूरा देश जिस तरह नागरिकता को लेकर बहस में उलझा है, वह भारत में वोटर पहचानपत्र की वैधता पर सवाल खड़ा करता है। क्या भारत में जारी वोटर आई कार्ड दोषपूर्ण है? और यदि है, तो उसे कैसे दुरुस्त किया जा सकता है?

कई देश नागरिकता, या उससे संबंधित पहचान के उद्देश्यों के लिए बायोमेट्रिक कार्ड का उपयोग करते हैं। अल्बानिया, ब्राज़ील, नीदरलैंड और सऊदी अरब ऐसे मुल्क हैं, जिनके राष्ट्रीय बायोमेट्रिक पहचान पत्र यात्रा दस्तावेजों के लिए अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मानक का पूरी तरह से अनुपालन करते हैं। इसके अतिरिक्त, नॉर्वे, आइसलैंड और लिश्टेन्टाइन जैसे देश, यूरोपीय संघ के मानकों का पालन करने वाले बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करते हैं। कुछ देश अपनी व्यापक राष्ट्रीय पहचान प्रणालियों में बायोमेट्रिक्स का उपयोग करते हैं, जिन्हें नागरिकता या उनकी रिहाइश से जोड़ा जा सकता है। यूरोपीय संघ के सदस्य देश बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करने के लिए बाध्य हैं, और इन्हें आमतौर पर ईयू और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के भीतर वैध यात्रा दस्तावेजों के रूप में स्वीकार किया जाता है। यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (ईईए) के सदस्य देशों, जिनमें नॉर्वे, आइसलैंड और ऑस्ट्रिया व स्विट्जरलैंड के बीच छोटा सा देश लिश्टेन्टाइन शामिल हैं, उन्हें भी यूरोपीय संघ के नियमों के अनुरूप बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करना आवश्यक है।कई देशों ने अनिवार्य राष्ट्रीय पहचान प्रणालियां लागू की हैं, जिनमें अक्सर विभिन्न पहचान उद्देश्यों के लिए बायोमेट्रिक डेटा, जैसे उंगलियों के निशान या चेहरे की पहचान, शामिल होता है। इनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, कोलंबिया, जर्मनी, इटली, पेरू और स्पेन जैसे देश शामिल हैं।

हिंदी दिवस पर कला मंच संस्था ने आयोजित की वैचारिक संगोष्ठी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कला मंच संस्था कानपुर दक्षिण द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर मालवीय विहार, कर्रही स्थित कार्यालय में एक वैचारिक लघु संगोष्ठी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के सचिव पीयूष मिश्रा ने मां सरस्वती को नमन करते हुए अपनी स्वरचित कविता हिंदी के पाठ से की। उन्होंने पंक्तियों के माध्यम से हिंदी भाषा को भुलाने पर चिंता जताई।

संगोष्ठी में विशेष आमंत्रित वरिष्ठ समाजसेवी व चिंतक संजय सिंह (संरक्षक, कर्रही व्यापार मंडल विश्व बैंक बर्रा) ने संरक्षकता प्रदान की और उपस्थित जनों को संबोधित किया। वरिष्ठ कवि संजय मिश्रा ने संगति के दोह प्रस्तुत कर हिंदी दिवस पर अपनी भागीदारी दर्ज कराई।

संस्था के संयोजक पंडित अरविंद पांडे ने मातृभाषा हिंदी के महत्व पर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में चर्चा की। वहीं बाल सदस्य परमेश मिश्रा ने ''मैं हिंदी से प्यार करूं, अपनी मातृभाषा का सम्मान करूं कविता पाठ कर सबका मन मोह लिया।संस्था की अध्यक्ष अर्चना मिश्रा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था समय-समय पर हिंदी भाषा सहित अन्य सामाजिक मुद्दों पर जनजागरण अभियान चलाती रहेगी। समापन पर उपस्थित लोगों को सम्मान पत्र और पटका पहनाकर अभिनंदन किया। संगोष्ठी में सत्यप्रकाश तिवारी, जय मोहन सिंह परिहार, सर्वेश सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रक्तदान:महादान के आह्वान पर 40 यूनिट ब्लड एकत्र

» शिक्षण समिति की ओर से,40वें रक्तदान शिविर में 40 यूनिट रक्त हुआ एकत्र

» मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। प. सत्यनारायण पारसनाथ दिवाकर प्रसाद शिक्षा एवं सेवा समिति की ओर से हरमिलाप मिशन स्कूल, रतनलाल नगर में 40वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 40 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। यह शिविर रक्तमित्र स्व. राजेन्द्र यादव की स्मृति को समर्पित था। कार्यक्रम का शुभारंभ स्व. राजेन्द्र यादव के पिताजी श्री सुंदर लाल यादव ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

इस दौरान राजेन्द्र यादव के दोनों बेटों ने रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया और रक्तदाताओं को जूस पिलाकर उत्साहवर्धन भी किया। सुंदर लाल यादव ने युवाओं से स्वैच्छिक रक्तदान की अपील की। शिविर में उर्सला ब्लड बैंक की टीम ने रक्त संग्रह किया, जिसका नेतृत्व डॉ. आशीष ने किया। सभी एकत्रित यूनिट उर्सला ब्लड बैंक को समर्पित किए गए।

रक्तदानी जय मिश्रा ने 90वीं बार किया रक्तदानकार्यक्रम संयोजक जय मिश्रा ने अपने जीवन का 90वां रक्तदान किया और सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। समिति की ओर से रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र, प्रशस्ति पत्र, जूस, नाश्ता और फल वितरित किए गए। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। प्रमुख रूप से राजीव भाटिया, शिवम् यादव, शुभम यादव, ज्योति गौरी और गौरव आदि उपस्थित रहे।

बिल्हौर में हर बूथ पर बी.एल.ए. बनाने की तैयारी

» 433 बूथों पर बी.एल.ए. बनाने में सक्रिय सपा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर बूथ लेवल एजेंट (बी.एल.ए.) नियुक्त करने का अभियान बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में तेज हो गया है। विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव, पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम सहित पदाधिकारी गांव-गांव जाकर संगठन को मज़बूत बनाने में जुटे हैं। पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार, विधानसभा के सभी 433 बूथों पर बी.एल.ए. तैयार कर सूची प्रदेश कार्यालय व प्रशासन को सौंपी जाएगी। इससे मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान में सहूलियत मिलेगी और बूथ स्तर पर पार्टी की पकड़ मज़बूत होगी। चुनाव आयोग द्वारा शीघ्र शुरू किए जाने वाले विशेष पुनरीक्षण अभियान को देखते हुए बी.एल.ए. की भूमिका अहम मानी जा रही है। पार्टी नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे जिम्मेदारी गंभीरता से निभाते हुए तय समय पर सूची उपलब्ध कराएं। इस दौरान रमेश गौतम, जगरूप यादव, सुनील शर्मा, राजू पाल, बंटी भाई, मुन्ना अजहर, सौरभ कुशवाहा, कल्लू यादव समेत कई समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अफवाह ने पुलिस को खूब छकाया

गम में डूबा परिवार हुआ बदनाम

» बुखार से मासूम की मौत, अफवाह ने बना दिया सनसनीखेज़ ड्रामा

»परिजन बोले रंजिश की वजह से उड़ाई गई फर्जी खबर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

मृतक मासूम राजा की फाइल फोटो

बिल्हौर (कानपुर)। सोमवार की सुबह कस्बे में सोशल मीडिया पर उड़ाई गई एक सनसनीखेज़ अफवाह ने पुलिस-प्रशासन से लेकर आम लोगों तक को हिला दिया। चर्चा फैलाई गई कि एक माँ ने अपने ही मासूम बेटे को फ्रिज में रखकर मौत के घाट उतार दिया। देखते ही देखते यह खबर जंगल में आग की तरह फैल गई। लोगों में दहशत और कौतूहल बढ़ा तो पुलिस भी हरकत में आई और मौके पर जा पहुँची।

लेकिन जब हकीकत सामने आई तो अफवाह फैलाने वालों की पोल खुल गई और सच्चाई ने सबको चौंका दिया। परिजनों के मुताबिक लोहिया नगर

निवासी लक्ष्मी की शादी मैनपुरी जनपद के मनीराम गांव के संजू से हुई थी। शादी के बाद से वह ससुराल और मायके में आती-जाती रही। फिलहाल वह पिछले करीब चार महीने से मायके में रह रही थी।

बुखार से दम तोड़ गया मासूम

लक्ष्मी के 11 माह के बेटे राजा की तबियत रविवार से ही बिगड़ गई थी। तेज बुखार से जूझ रहे बच्चे ने सोमवार सुबह दम तोड़ दिया।

घर में मातम छाया तो वहीं सोशल मीडिया पर फैली झूठी खबर ने परिवार के ज़ख्म और गहरे कर दिए।

बच्चे के नाना रामआसरे ने बताया कि नाती की मौत बीमारी से हुई है। कुछ लोग हमसे निजी रंजिश और जलन रखते हैं,इसलिए उन्होंने झूठी अफवाह फैलाई कि बच्चे को फ्रिज में रखकर मार दिया गया।

पुलिस बोली-पूरा मामला फर्जी

सोशल मीडिया पर फैली सनसनी के बाद पुलिस मौके पर पहुँची। जांच-पड़ताल के बाद कस्बा इंचार्ज सचिन भाटी ने स्पष्ट कहा कि पूरा मामला फर्जी है। बच्चे की मौत प्राकृतिक रूप से हुई है। सोशल मीडिया पर उड़ाई गई खबर पूरी तरह निराधार है।

हिन्दी दिवस पर पुस्तकालय व रीडर्स क्लब का लोकार्पण

» लोकार्पण मुख्य अतिथि फेडरेशन ऑफ इंडियन जर्नलिस्ट एंड एक्टिविस्ट के अध्यक्ष शांतनु चैतन्य ने किया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। हिन्दी दिवस (14 सितंबर) के अवसर पर रविवार को कल्याणपुर के दयानंद विहार में लिटरेरी लैंड रीडर्स क्लब व पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया।

पुस्तकालय का लोकार्पण मुख्य अतिथि फेडरेशन ऑफ इंडियन जर्नलिस्ट एंड एक्टिविस्ट के अध्यक्ष शांतनु चैतन्य ने किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकें मानवीय भावनाओं, परिस्थितियों, सूचनाओं की वाहक होती हैं। लिहाजा, जीवन को दिशा दिखाने में वे दीपक की तरह काम करती हैं। चैतन्य ने युवा पीढ़ी से यह अपील करते हुए कहा कि जीवन में पुस्तकों को स्थान दें। कम से कम एक पन्ना किसी भी पुस्तक का रोज पढ़ें। पढ़ने की शुरुआत श्रीमद्भगवद्गीता से करें तो जीवन में परिवर्तन लाया जा सकता है। इसके साथ ही भाईजी फाउंडेशन ने वन मोर पेज मिशन की शुरुआत की। फाउंडेशन की चेयरमैन जावित्री साहू ने इस मुहिम को आगे बढ़ाने पर बल दिया। पुस्तकालय के संस्थापक कर्ण भाईजी और कृष्णकांत वर्मा ने कहा कि जरूरतमंद छात्रों के लिए नि:शुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। यह पुस्तकालय लोगों में पढ़ने की प्रवृत्ति को विकसित करने के लिए खोला गया है। इसमें विश्व स्तरीय साहित्य की पुस्तकें हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. नवीन वर्मा, राजीव दीक्षित, सीपी गुप्ता, शैलराज आदि मौजूद रहे।

किन शिक्षकों को देनी होगी टेट परीक्षा?

शिक्षक हिमांशु राणा ने संवाददाता से खुलकर रखी बात

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि अब टीईटी उतीर्ण करना न सिर्फ नियुक्ति बल्कि नौकरी में बने रहने और पदोन्नति-तीनों के लिए अनिवार्य होगा। इस फैसले का असर देशभर के लाखों शिक्षकों और अभ्यर्थियों पर पड़ने वाला है।इसी विषय पर स्वराज इंडिया के संवाददाता ने बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय शिक्षक हिमांशु राणा से विस्तार से बातचीत की।हिमांशु राणा ने बताया कि यह फैसला पूरे देश में लागू होगा। हालांकि उन्होंने सुझाव दिया कि केंद्र सरकार को संसद से संशोधन लाकर एक्ट लागू होने से पहले नियुक्त हुए शिक्षकों को छूट देनी चाहिए। ऐसे शिक्षक यदि प्रमोशन चाहते हैं तो उन्हें टीईटी पास करना अनिवार्य हो।

कोर्ट ने किसे राहत दी?

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही आंशिक राहत दे चुका है। जिन शिक्षकों की पांच साल से कम सेवा शेष है, उन्हें टीईटी देने की आवश्यकता नहीं होगी। लेकिन जिनकी सेवा अवधि पांच साल से अधिक है, उन्हें परीक्षा देनी ही होगी।

राणा ने यह भी कहा कि सरकार और एनसीटीई को समय रहते संशोधन का विरोध करना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब राहत केवल तभी संभव है जब केंद्र सरकार संसद में संशोधन करे या कोर्ट में पुनर्विचार याचिका डाले।

विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर एडिबल फैक्ट्री में मेगा प्रशिक्षण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर औद्योगिक क्षेत्र रनियां में शनिवार को कई फैक्ट्रियों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में मेगा प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

» आपदा प्रबंधन प्राधिकरण व रेड क्रॉस सोसाइटी ने संयुक्त रूप से कराया आयोजन

» श्रमिकों को सिखाए गए सीपीआर, हार्ट अटैक, जलने व हड्डी टूटने पर प्राथमिक उपचार के तरीके

इस दौरान सुरक्षा कर्मियों और श्रमिकों को आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा देने के महत्व और तरीकों की जानकारी दी गई।बीसीसीएल गोगूमऊ, कानपुर एडिबल्स, कुशल फूड्स और कृष्णा श्यामा फूड्स फैक्ट्रियों में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आपदा विभाग के जुगवीर सिंह लाम्बा और प्रशिक्षक लखन शुक्ला ने बताया कि प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) की अवधारणा को वर्ष 2000 में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज (आईएफआरसी) द्वारा स्थापित किया गया था। इसका उद्देश्य कम से कम साधनों में घायल या बीमार व्यक्ति को आपात स्थिति में त्वरित सहायता देना है।प्रशिक्षण में दम घुटना, पानी में डूबना, फांसी लगना, सांस नली में रुकावट, हृदयाघात (हार्ट अटैक), अत्यधिक खून बहना, विषैले तत्व का असर, जलना, बेहोशी, कोमा, हड्डी टूटना और जानवर के काटने जैसी परिस्थितियों में दी जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षकों ने श्रमिकों को सीपीआर देने की प्रक्रिया, खून बहने पर तत्काल उपाय और जलने पर प्राथमिक उपचार के व्यावहारिक तरीके भी सिखाए।इस अवसर पर बीपीसीएल के सुरक्षा अधिकारी आमिर अली, कानपुर एडिबल्स के जीएम मनोज शर्मा, यश मेहता, मृदुलेंद्र सिंह, अश्वनी प्रजापति, प्रवेश तिवारी, धर्मेंद्र सिंह राजपूत, मनीष पांडे, संजीव विष्ट, नीरज सक्सेना, कैलाश और राजीव श्रीवास्तव समेत कई अधिकारी और श्रमिक मौजूद रहे।

मार्ग दुर्घटना में पूर्व एसडीएम के पिता समेत दो की मौत

» रनियां थाना क्षेत्र के रायपुर बंबा के पास हुआ हादसा

» पांच घायल मेडिकल कॉलेज में भर्ती, डंपर चालक फरार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनियां थाना क्षेत्र के रायपुर बंबा के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो में टक्कर मार दी, जिससे ऑटो पलटकर सड़क पर जा गिरा। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि पूर्व सदर एसडीएम डॉ. पूनम गौतम के पिता महेश प्रसाद गौतम (सेवानिवृत्त फार्मेसिस्ट) और रूरा निवासी सोमी पांडेय (68 वर्ष) की मौत हो गई।

घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।सूचना पाकर रनियां पुलिस पहुंची और सभी घायलों को एंबुलेंस से उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा।

डयूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने महेश प्रसाद गौतम और सोमी पांडेय को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, रूरा निवासी विमल चंद्र पांडेय अपनी पत्नी सोमी देवी के साथ अपने साढ़ू काशी प्रसाद त्रिवेदी के घर नौबस्ता भोज गए थे। वहां से लौटते समय वे ऑटो में सवार हो गए। ऑटो में अकबरपुर माती रोड निवासी महेश प्रसाद गौतम, दमनपुर राजपुर निवासी शैलजा अपनी बेटी के साथ और अकबरपुर मिलकिया निवासी सीता भी बैठी थीं। रायपुर बंबा के पास डंपर की टक्कर से ऑटो बुरी तरह पलट गया।

हादसे के बाद कानपुर–झांसी हाईवे पर करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। थाना प्रभारी एस.एन. सिंह ने बताया कि ऑटो को थाने में खड़ा कराया गया है। चालक मौके से फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। वहीं, अज्ञात डंपर का भी पता लगाया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 । **Email:** swarajindia2023@gmail.com । **Mob:** 7800009853, । **Website:** www.swarajindianews.com । (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

जंगल में लकड़ियां बिनने गई दो मासूम बहनें लापता

» गजनेर थाना क्षेत्र के रतवा मौजा नाही जूनिया गांव का मामला

» पुलिस ने गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कर शुरू की तलाश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के ग्राम रतवा मौजा नाही जूनिया से रविवार को दो मासूम बहनें रहस्यमय ढंग से लापता हो गईं। परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है।गांव निवासी धर्मेंद्र संखवार ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री लक्ष्मी (12 वर्ष) और प्रीति (7 वर्ष) रविवार सुबह लगभग 9 बजे जंगल में लकड़िया बीनने गई थीं। लेकिन देर शाम तक घर वापस नहीं लौटीं। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों में काफी खोजबीन की, पर दोनों का कहीं पता नहीं चल सका।

लापता लक्ष्मी

लापता प्रीति

परिजनों ने बच्चियों का हुलिया भी बताया है। लक्ष्मी का रंग सांवला, कद औसत और चेहरा गोल है। उसने गुलाबी टॉप, गुलाबी पायजामा और क्रीम रंग की चप्पल पहन रखी है। वहीं प्रीति ने गुलाबी टॉप और नीली हाफ जींस पहनी है, पैरों में कुछ नहीं था।

प्रभारी निरीक्षक जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और पुलिस टीम लगातार तलाश में जुटी है।

पुलिस ने अपील की है कि किसी को भी दोनों बच्चियों के बारे में जानकारी मिले तो वह तुरंत सोशल मीडिया सेल (9454457668), क्षेत्राधिकारी अकबरपुर (9454401470) या प्रभारी निरीक्षक गजनेर (9454403696) पर संपर्क करें।

बिस्किट दिलाने के बहाने मासूम से दुष्कर्म का आरोप

पुलिस ने बताया मामला संदिग्ध, वाद विवाद पर आरोप लगाने की चर्चा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

घाटमपुर कानपुर। रेऊना थाना क्षेत्र में एक दंपति ने गांव के ही एक किशोर पर बिस्किट दिलाने के बहाने उसके मासूम 6 वर्षीय पुत्री के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए थाना में शिकायत की है। हालांकि पुलिस अधिकारी मामले की सत्यता पर आशंका जता रहे हैं। वही पुलिस मासूम को मेडिकल के लिए भेजते हुए जांच पड़ताल में जुटी है। आरोप लगाया गया है कि बगल में रहने वाला एक 14 वर्षीय किशोर बिस्किट देने के बहाने पांच साल की मासूम बच्ची को छत पर बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया हैं। रेऊना इंस्पेक्टर आनंद पांडेय ने बताया कि मासूम को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है। सहायक पुलिस आयुक्त घाटमपुर, श्री कृष्णकांत यादव ने बताया थाना रेउना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम में एक 5 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना की सूचना मिली। सूचना पर थाना रेउना पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची और परिजनों से पूछताछ की। प्रारम्भिक जाँच में यह तथ्य प्रकाश में आया कि सुबह किसी बात को लेकर परिजनों में आपसी विवाद हुआ था, क्योंकि दोनों पक्ष आपस में मौसेरे भाई एवं पारिवारिक सदस्य हैं। बताया की लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं हो पाई है। फिर भी घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रकरण की गहनता से जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

निनायां गोवंश आश्रय स्थल की लापरवाही पर अधिकारियों से जवाब तलब

» साफ-सफाई, अभिलेख और पशुओं की हालत पर उठे सवाल

» डीएम कपिल सिंह ने दिए सभी गोशालाओं के नियमित निरीक्षण के आदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कतिपय माध्यमों से मिली शिकायतों के आधार पर जिलाधिकारी कपिल सिंह ने निनायां गोवंश आश्रय स्थल की जांच कराई। अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में गठित समिति ने मौके पर गंभीर कमियां पाईं। इनमें साफ-सफाई का अभाव, अद्यतन अभिलेखों की अनुपलब्धता, जलभराव, गंदगी, गोबर का सही निस्तारण न होना और पशुओं का कमजोर व बीमार होना शामिल था।

स्वराज इंडिया
कानपुर देहात
09
निनाया गोशाला में गंदगी एडीएम ने जताई नाराजगी

जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद विकासखंड स्तरीय एवं तहसील स्तरीय अनुश्रवण मूल्यांकन और समीक्षा समितियों के अध्यक्षों व सदस्यों से जिलाधिकारी ने स्पष्टीकरण तलब किया है।डीएम ने निर्देश दिए हैं कि सभी खंड विकास अधिकारी और उप जिलाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित सभी गोवंश आश्रय स्थलों का नियमित निरीक्षण करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भूसा, चारा-चोकर, स्वच्छ पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, चिकित्सीय सुविधा और शव विच्छेदन जैसी सभी व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से दुरुस्त कराई जाएं। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

FOLLOW UP

उन्नाव : गंगा की बाढ़ में बह गई सड़कें व गलियां

सफीपुर क्षेत्र में बाढ़ का पानी उतरा तो टूटी सड़कें बनीं नई मुसीबत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उन्नाव। सफीपुर क्षेत्र में गंगा की बाढ़ का पानी भले ही धीरे-धीरे उतर रहा है, लेकिन इसके बाद की स्थिति ने ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ा दी है। जलभराव के चलते क्षेत्र की कई प्रमुख सड़कें पूरी तरह टूट-फूट गई हैं। जगह-जगह गहरे गड्ढे और दरारें पड़ जाने से आवागमन दुश्वार हो गया है।सबसे जर्जर हालत सफीपुर विकास खंड के इब्राहिमाबाद-लोनारी मुख्य मार्ग की है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार जलभराव और कटान से सड़क पर बड़े गड्ढे बन गए हैं। आए दिन राहगीर यहां फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। महिलाओं और बच्चों को निकलना बेहद कठिन हो गया है।

स्कूल जाने वाले बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है क्योंकि सुरक्षित मार्ग न होने से कई बच्चे विद्यालय नहीं पहुंच पा रहे। ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ तो किसी तरह कट गई,

लेकिन अब टूटी सड़कें नई आफत बनकर खड़ी हो गई हैं। ग्रामीण प्रशासन से जल्द से जल्द सड़कों की मरम्मत व वैकल्पिक मार्ग बनाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना ह ै कि गंगा की बाढ़ के बाद क्षेत्र के संसाधन ध्वस्त हो गए हैं और अब मूलभूत सुविधाओं के अभाव में लोग नई समस्या से जूझ रहे हैं।

एसपी विनीत जायसवाल की सक्रिय कार्यशैली से आमजन में बढ़ा भरोसा

» गोंडा जिले के एसपी विनीत जायसवाल का जनता में बढ़ रहा भरोसा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

गोंडा। जनपद के पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल अपनी तेजतर्रार और कर्तव्यनिष्ठ कार्यशैली के लिए लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। रविवार की देर रात करीब दो बजे एसपी अचानक गश्त पर निकले तो पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

एसपी ने शहर के विभिन्न इलाकों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और आम नागरिकों से सीधा संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि रात के समय सड़कों पर अनावश्यक रूप से घूमने वाले लोगों से सख्ती से पूछताछ की जाए और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए।अचानक किए गए इस निरीक्षण से पुलिसकर्मियों में चौकसी बढ़ गई और आम जनता के बीच सुरक्षा की भावना और अधिक मजबूत हुई। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसपी का यह कदम जनता में सराहना का विषय बना हुआ है।

समाज उत्थान के लिए मैथिल ब्राह्मण चिंतन शिविर संपन्न

» अटल बिहारी सभागार, शाहजहांपुर में हुआ भव्य आयोजन

» समाजिक विवाद निपटारे व निर्बल बंधुओं की मदद हेतु बनी समितियाँ

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

शाहजहांपुर। समाज के उत्थान और संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से मैथिल ब्राह्मण चिंतन शिविर का आयोजन अटल बिहारी सभागार, शाहजहांपुर में हुआ। इसमें समाज के प्रमुख नेताओं, अधिकारियों और प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। शिविर में समाज के पंच परमेश्वर और विधि सलाहकार समिति का गठन किया गया। पंच परमेश्वर समिति समाज के विवादों का निपटारा करेगी, जबकि विधि सलाहकार समिति निर्बल बंधुओं की सहायता में अहम भूमिका निभाएगी।मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा बरेली जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा ने कहा कि समाज की संख्या भले ही क्षेत्र में तीन से चार प्रतिशत है, लेकिन यदि सभी लोग संगठित रहेंगे तो शासन और सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने सभी उपस्थित समाजजनों से एकजुट होकर समाज की पहचान मजबूत करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में

वरिष्ठ निदेशक राजकुमार शर्मा (दिल्ली), निहाल बिल्डर्स प्रा. लि. नोएडा के निदेशक राजेश शर्मा, इंजीनियर नवल किशोर शर्मा व उनकी टीम (बदायूं), डॉ. संतोष शर्मा (निदेशक, न्यू धन्वंतरि हॉस्पिटल, बरेली), एडवोकेट महेश चंद्र शर्मा, ओपी शर्मा (मैथिल ब्राह्मण सभा, बरेली), नरेंद्र शर्मा, भुवनेश शर्मा एवं अनूप शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।इस सामाजिक सेवा के प्रयास को सफल बनाने में समाज के अध्यक्ष हरिओम शर्मा, महासचिव सतीश शर्मा, कोषाध्यक्ष अवधेश शर्मा, संरक्षक महेंद्र पाल शर्मा व रामू शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम में एकता और सामाजिक जागरूकता का संदेश स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

रामनगरी में धर्मांतरण की साजिश पर गरजा बुलडोज़र

अयोध्या पुलिस की फुर्ती और बुलडोज़र एक्शन ने लौटाया भरोसा

- » अयोध्या की खुफिया पुलिस की सतर्कता से टूटा षड्यंत्र
- » रेलवे की ज़मीन पर खड़ी मजार बनी विवाद का कारण
- » स्थानीय लोगों के आक्रोश के बाद हरकत में आई पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।राम की नगरी अयोध्या में धर्मांतरण की साजिश पर आखिरकार योगीराज का बुलडोज़र गरजा। कैंट थाना क्षेत्र के गद्दोपुर नई कॉलोनी में राहुल यादव नाम का युवक, जिसने अपना नाम बदलकर अब्दुल रख लिया था, अपने ही घर में मजार बनाकर रोज़ाना नमाज़ अदा करने लगा। यही नहीं, रेलवे की ज़मीन पर अतिक्रमण कर इस्लामी ढांचा खड़ा कर दिया गया।

स्थानीय लोगों ने जब इस षड्यंत्र का विरोध किया और सोशल मीडिया पर खबरे आई तो मामला तूल पकड़ गया। नाराज़गी और गुस्से के बीच अयोध्या पुलिस ने फुर्ती दिखाते हुए पूरे मामले की जांच शुरू की और प्रशासन ने अवैध मजार पर बुलडोज़र चला दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बार-बार साफ कर चुके हैं कि यूपी की धरती पर धर्मांतरण और अतिक्रमण किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं होगा। अयोध्या की इस घटना पर सरकार का त्वरित एक्शन न सिर्फ मुख्यमंत्री की मंशा को दर्शाता है बल्कि यह भी साबित करता है कि प्रदेश में कानून का राज सर्वोपरि है।

बता दें कि गद्दोपुर नई कॉलोनी में पनप रहे इस धर्मांतरण षड्यंत्र की भनक जैसे ही पुलिस को लगी, तो एसएसपी डॉ0 गौरव ग्रोवर ने तुरंतएसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी को मामले के निस्तारण का निर्देश दिया। फिर क्या था सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह के नेतृत्व में कैंट कोतवाल पंकज सिंह ने पूरा प्लान बनाया। पुलिस की सतर्कता और बुलडोज़र एक्शन ने स्थानीय लोगों में यह संदेश दिया कि योगीराज में कानून के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएग। गांव और कॉलोनी के लोगों ने राहत की सांस ली और प्रशासन का आभार जताया। पड़ोसी शुभम सिंह ने कहा फ़यदि योगी सरकार और अयोध्या पुलिस सक्रिय न होती तो यहां बड़ा विवाद खड़ा हो सकता था।

रेस्टोरेंट कूपन के नाम पर श्रद्धालुओं से लूट!

- » कूपन का खेल 1800 के कूपन में 5000 के भोजन का लालच
- » रेस्टोरेंट प्रबंधन ने दर्ज कराया मुकदमा,मामले की जांच में जुटी पुलिस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी की पवित्र धरती पर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के भरोसे को चकनाचूर कर देने वाला रेस्टोरेंट कूपन घोटाला अब सुर्खियों में है। रामपथ पर, साकेत डिग्री कॉलेज के सामने स्थित रेस्टोरेंट के नाम पर 1800 रुपये के कूपन बेचे गए। दावा किया गया कूपन दिखाइए और 4 से 5 हजार रुपये तक का भोजन बिल्कुल मुफ्त पाइए।

सैकड़ों लोग इस झांसे में आए। कूपन लेकर जब लोग रोबोट रेस्टोरेंट पहुंचे तो लेडीलाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजर मविका ने कहा हमने ऐसा कोई ऑफर कभी नहीं चलाया।इसके बाद भीड़ भड़क गई, रेस्टोरेंट घिर गया और हंगामे का माहौल बन गया। रेस्टोरेंट प्रबंधन ने पलटवार करते हुए ऑनलाइन तहरीर देकर कहा यह कूपन पूरी तरह फर्जी है। हमारे नाम पर बदनामी की सुनियोजित साजिश है। क्या यह किसी संगठित अपराध गिरोह का हिस्सा है? पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और दावा किया है कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।स्थानीय लोग और श्रद्धालु कहते है। यह घटना अयोध्या की छवि को धूमिल करती है। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं का भरोसा टूटता है। धार्मिक नगरी की पवित्रता पर ठगी का साया पड़ रहा है। राम के नाम पर आने वाले श्रद्धालु जहां भक्ति की थाली में प्रसाद खोजते हैं, वहीं कूपन माफिया ने उन्हें ठगी की थाली परोस दी। यह महाघोटाला सिर्फ पैसों की लूट नहीं, बल्कि श्रद्धा और विश्वास की भी हत्या है।

सुप्रीम कोर्ट से बरी हुआ बच्ची का दुर्दांत हत्यारा, सड़कों पर फूटा आक्रोश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हल्द्वानी। न्याय की उम्मीद में वर्षों से तड़प रहे एक परिवार की पीड़ा को मानो किसी ने कुचल कर रख दिया हो। 11 साल पहले 7 वर्षीय मासूम बच्ची से बलात्कार और उसकी निर्मम हत्या के मामले में फांसी की सजा पा चुका दुर्दांत अपराधी अख़्तर अली अब सुप्रीम कोर्ट से बरी कर दिया गया है। अदालत ने कहा कि सिर्फ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर उसे दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इस फैसले के बाद लोगों के भीतर आक्रोश की लहर दौड़ गई है और जगह-जगह उबाल देखने को मिला।

मामला बेहद दर्दनाक है। पिथौरागढ़ से हल्द्वानी अपनी मां-बाप के साथ शादी समारोह में आई 7 साल की मासूम को भीड़ से उठाकर आरोपी अख़्तर अली ने दरिंदगी का शिकार बनाया। बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर दी गई और फरार होकर वह पंजाब

हत्यारे और बलात्कारियों के बरी किए जाने से नाराज लोगों ने इस तरह से किया प्रदर्शन

» निर्दोष मासूम को कैसे मिलेगा न्याय ?

में छिप गया, जहां से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। हल्द्वानी की निचली अदालत ने इस जघन्य अपराध के लिए फांसी की सजा सुनाई थी। बाद में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने भी इस फैसले को बरकरार रखा। लेकिन अब सर्वोच्च अदालत ने आरोपी को बरी कर दिया।

निर्दोष मासूम के साथ हुए इस दरिंदेपन की तुलना लोग निर्भया केस से कर रहे हैं। फर्क बस इतना है कि निर्भया केस में दोषियों को फांसी मिली और इस मामले में न्याय के नाम पर इंसाफ की आस टूट गई। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने न सिर्फ पीड़ित परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है बल्कि आमजन का भरोसा भी डगमगाने लगा है।

बीते दिन हल्द्वानी और आसपास के इलाकों में तीन जगहों पर लोगों ने सड़क पर उतरकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। लोगों का कहना है कि फ्जब इतनी बड़ी दरिंदगी का गवाह पूरा समाज है, तो सबूतों की कमी का हवाला देकर ऐसे नरभक्षी को बरी करना न्याय का मजाक उड़ाने जैसा है।फ्

लोग अब मांग कर रहे हैं कि इस केस की दोबारा सुनवाई कराई जाए और दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए ताकि मासूम की आत्मा को शांति मिल सके और समाज में यह संदेश जाए कि ऐसे अपराधियों का अंजाम सिर्फ मौत है।

बच्चों के लिए दुलार बने 'योगी बाबा'

जनता दर्शन में जब बच्चों ने मुख्यमंत्री का आंचल थामा तो वह पिता समान स्नेह बरसाने लगे। उन्होंने बच्चों के सिर पर हाथ फेरकर दुलारा और चॉकलेट-टॉफी देकर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। यह दृश्य बताता है कि कड़े प्रशासक की छवि के साथ-साथ योगी आदित्यनाथ एक करुणाशील जन-नेता भी हैं।

मरीज की पीड़ा ही मेरी पीड़ा है सरकार हर जरूरतमंद के साथ है

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में कई फरियादियों की दी राहत

» मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित 'जनता दर्शन' में एक संवेदनशील नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी करुणाशील शैली का परिचय दिया। उन्होंने न सिर्फ प्रदेशभर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं, बल्कि हर पीड़ित को आश्वस्त करते हुए कहा–किसी को भी इलाज की चिंता करने की जरूरत नहीं है, सरकार आपके साथ है।

रायबरेली जिले से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री को बताया कि उसके पिता किडनी व हृदय रोग से पीड़ित हैं और निजी अस्पतालों में इलाज संभव नहीं हो पा रहा।

मुख्यमंत्री ने उनकी व्यथा सुनते ही तत्काल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के निर्देश दिए और अस्पताल से इलाज का एस्टिमेट मंगवाने को भी कहा। यह दृश्य मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय क्षमता का प्रतीक बना।

करुणा और सहानुभूति का अद्भुत संगम

'जनता दर्शन' में 50 से अधिक लोग पहुंचे। किसी ने इलाज के खर्च में मदद मांगी तो किसी ने अपने पारिवारिक संकट की बात रखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर व्यक्ति की बात धैर्य से सुनी और समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने स्पष्ट कहा—पिछले 8 वर्षों से सरकार ने किसी भी गरीब को इलाज के लिए आर्थिक संकट में पड़ने नहीं दिया है। हर जरूरतमंद को सहयोग मिलेगा।